



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 355]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 26, 1992/भाद्रपद 4, 1914

No. 355] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 26, 1992/BHADRA 4, 1914

इस भाग को भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्यावरण और वन मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1992

विषय : प्रदूषण निवारण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार

सा.का.नि. 738 (प्र) :—केन्द्र सरकार ने प्रदूषण के निवारण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने हेतु उद्योगों और संस्थानों को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार देने की एक योजना संस्थापित करने का निर्णय लिया है।

2. उन इकाइयों को प्रति वर्ष पुरस्कार दिए जाएंगे, जो प्रदूषण के निवारण के लिए स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, उत्पादों या प्रक्रियाओं के विकास या उनके प्रयोग के महत्वपूर्ण तथा परिमेल योगदान करने और पर्यावरणीय समस्याओं के लिए नए हल खोजने। प्रदूषण निवारण का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर जल संरक्षण करना और सागर प्रभावी तरीकों के जरिए प्रदूषकों के सृजन को रोकना है। इन गतिविधियों में ऊर्जा को बचत करने वाले प्रौद्योगिकियों, उदाहरण पुनर्निर्माण या कम प्रदूषण फैलाने वाली सामग्रियों के प्रयोग का विकल्प तथा संग्रहीत एवं प्रदूषण में कमी लाने वाली नई प्रक्रियाओं को शामिल किया जा सकता है।

3. पुरस्कार के रूप में ट्राफी के साथ प्रशस्ति पत्र दिया जायेगा जिसकी पुरस्कार विजेता स्थाई रूप से अपने पास रख सकते हैं।

4. अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की प्रतिनिधित्व से भी में से प्रत्येक का प्रति वर्ष एक पुरस्कार 'को 'वर' से कुल छठागह (18) पुरस्कार दिए जाएंगे। इन उद्योगों की शिनाख्त निम्नानुसार की गई है :

1. चीनी
2. उर्वरक
3. मोमेंट
4. किष्कन और मछलिनिर्याणशाला
5. एल्यूमिनियम
6. पेट्रो-रसायन]
7. ताप बिजुल,
8. कास्टिक सोडा]
9. तेल शोधन कारखाने
10. सल्फ्यूरिक एसिड

11. जर्मनीयन शाखाएँ
12. लांबा प्रणालन
13. जस्ता प्रणालन
14. लोहा और इस्पात
15. लुगदी और कागज
16. डाई और डाई इन्टरमीडिएट्स
17. कीटनाशक
18. फार्मोस्यूटिकल्स

5. निम्नलिखित श्रेणी के समुच्चयों को प्रति वर्ष पाँच (5) पुरस्कार दिए जाएंगे :

1. जर्मनीयनशाखाएँ
2. लुगदी और कागज
3. डाई और डाई इन्टरमीडिएट्स
4. कीटनाशक
5. फार्मोस्यूटिकल्स

6. पुरस्कार केवल प्रशंसनीय नामांकन उपलब्ध होने पर दिए जाएंगे।

7. इकाइयों ने एक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रणाली शुरू की है जिसमें पूरी इकाई के लिए एक नीति संबंधित स्थान के लिए पर्यावरणीय कार्यक्रम तथा कार्यक्रम के कार्यान्वयन तथा पर्यवेक्षण के लिए अर्पणित संगठनात्मक उपायों और कार्य प्रक्रियाओं को परिभाषित करने वाले एक प्रबंध प्रणाली होती चाहिए। प्रबंध प्रणाली में पर्यावरणीय व्यवस्थाओं की जाँच के लिए एक कार्यक्रम भी शामिल होना चाहिए। प्रत्येक जॉब के बाद, जनता के लिए एक पर्यावरण विवरण तैयार किया जाना है। इस विवरण में पर्यावरणीय पुनरीक्षा के दौरान ध्यान में लाई गई समस्याओं नीति के स्वतंत्र निगबन सार से संबंधित धाँकड़े, स्थल पर कार्यान्वित कार्यक्रमों और उद्देश्यों तथा इनके बारे में जानकारी एवं उन उद्देश्यों की प्राप्ति करने के लिए किए गए उपायों की प्रस्तुति किया जाएगा। इस सूचना की इकाई के निदेशाधीन के वार्षिक विवरण में निदेशक मंडल की रिपोर्ट का एक हिस्सा बनाया जाएगा।

8. पुरस्कार के लिए पात्रता निम्नलिखित बातों पर आधारित होगी :—

- (1) पर्यावरणीय प्रदूषण की आवश्यकताओं को परिभाषित करने प्रदूषण निवारण लक्ष्यों की पूर्ण करने और वायु, जल तथा भूमि की शुद्धता में समग्र सुधार में सफलता ;
- (2) सुदृढ़ दृष्टिकोण, वैज्ञानिक कल्पना और लागत प्रभावकारिता ;
- (3) उत्पन्नित अपशिष्टों में कमी, पुनर्वापयोग, रिसाइक्लिंग या किसी प्रकार के लाभदायक उपयोग सहित जलका उपभोग ;
- (4) वर्ष में बहिष्कारों तथा उत्सर्जनों में भारी और निरन्तर कमी ;

5. परिसंकटमय दसायनों का उपयोग करने वाली इकाइयों के पास रहने वाले समुदाय के लिए कतरे को कम करना ;

(6) पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पाद बनाने तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोस प्रौद्योगिकी के विकास एवं प्रयोग की दिशा में कोई अन्य उल्लेखनीय विशिष्ट अथवा भव्यपूर्ण योगदान,

(7) पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए ठोस एवं निरन्तर उपाय; तथा

8. पर्यावरणीय दृष्टि से अनुकूल उत्पाद बनाने तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोस प्रौद्योगिकी के विकास एवं प्रयोग की दिशा में कोई अन्य उल्लेखनीय विशिष्ट तथा महत्वपूर्ण योगदान जैसे त्वैच्छिक बनीकरण तथा पर्यावरणीय दृष्टि से ठोस प्रौद्योगिकी अनुसंधान

में प्रयुक्त कार्य तथा यहाँ तक कि उद्योगों को उस श्रेणी में पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल प्रौद्योगिकी में अनुसंधान तथा संभावित रिसाइक्लिंग को मात्रा बढ़ाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया हो। इन उपायों में पर्यावरणीय सुधार के लिए पर्याप्त और निरन्तर उपाय तथा कोई अन्य मद की सकारात्मक पर्यावरणीय प्रबंध की दिशा में कर्मियों को कार्पोरेट फिलॉसफी की सूचना हो, शामिल है।

9. गुणात्मक तथा मात्रात्मक योगदान का महत्व और पर्यावरण का पर्यावरण प्रभाव ध्यान का मुख्य मानदण्ड होगा। मात्रात्मक लक्ष्यों का प्रारंभिक लक्ष्य उत्पादन की प्रति यूनिट उत्सर्जन और बहिष्कार में कमी को मापना है। गुणात्मक लक्ष्यों से प्रदूषण के उपभोग के लिए बचतों द्वारा किए प्रयासों का मूल्यांकन, जो निम्नलिखित प्रक्रिया का एक अनिवार्य है बचक और उसके द्वारा निरन्तर आधार पर पर्यावरणीय सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। निर्धारित मापदण्डों का पालन न करने वाली प्रौद्योगिक इकाई इस पुरस्कार को पात्र नहीं होगी।

10. जयन समिति प्रायोजक अधिकारियों से पुरस्कारों के जय प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करेगी, यह उत्तराख्य का प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड होगा, जहाँ उद्योग स्थित है।

11. ये पुरस्कार वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कार्यों के लिए दिए जाएंगे। प्रायोजक अधिकारण अपने नामांकन हर वर्ष निर्धारित तिथि पर पर्यावरण और वन संजालय में प्रदूषण नियंत्रण के प्रवारी अधिकारी के पास भेजेंगे।

12. निम्नलिखित मदद्यों की एक जयन समिति (पुरस्कारों के लिए सरकार को संस्तुति करेगी —

- (1) सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय अध्यक्ष
- (2) अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
- (3) महानिदेशक, तकनीकी विकास
- (4) अध्यक्ष, स्टीडिंग कॉमिटी धातु पब्लिक एंटरप्राइसिज
- (5) महानिदेशक, भारतीय मानक संस्थान
- (6) निदेशक, नेशनल इन्वायरन्मेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट
- (7) अध्यक्ष, रीजरेजन जॉइंट इंजिनरिंग सेंटर धातु कामर्स एंड इंडस्ट्रीज
- (8) अध्यक्ष, एसोसिएटिड सेंटर धातु कामर्स एंड इंडस्ट्रीज
- (9) अध्यक्ष, कान्फेडरेशन धातु इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज
- (10) विकास धातुक्त, समुच्चय
- (11) पर्यावरणीय और वन मंत्रालय में प्रदूषण नियंत्रण के प्रवारी अधिकारी।

13. पुरस्कार विजेताओं को अपने कर्मचारियों की केलस विन, डाई अवकाश विशिष्ट प्रकार के वेश, जिन पर एक सर्किट में ई एन की चिन्हित होगा, जारी करने का अधिकार है। पुरस्कार विजेता अपने पत्र-पत्रों अधिका प्राप्ति और से जारी किए जाने वाले विज्ञापनों में भी चिन्ह का प्रयोग कर सकते हैं। ऐसे सभी मामलों में पुरस्कार प्राप्त करने के वर्ष का अध्याय उल्लेख किया जाना चाहिए।

14. पुरस्कार हर वर्ष एक औपचारिक समारोह में दिए जाएंगे।

15. यह संकल्पना का नि.स. 774 (ई) दिनांक 10 सितम्बर, 1990 के तहत प्रकाशित संकल्प के अतिरिक्त में।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए तथा इसकी एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए।

[संख्या क्यू-16016/52/90-सी.पी.ए.]

शुक्रसुख अमवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS RESOLUTION

New Delhi, the 26th August, 1992

Subject :—National Awards for prevention of pollution.

G.S.R. 736(E).—The Government have decided to institute a scheme of national Awards, to encourage industries and operations to take significant steps for prevention of pollution.

2. Awards will be granted each year to units which make a significant and measureable contribution towards development or use of clean technologies, products or practices that prevent pollution and find innovative solutions to environmental problems. Pollution prevention aims to conserve natural resources, particularly water, and to prevent the generation of pollutants through cost effective means. The activities can include new technologies that save energy or other resources, product reformulation or substitution to use fewer polluting material and modifications and new processes which reduce pollution.

3. The awards will be in the form of a trophy and a citation which will be retained permanently by the awardee.

4. Awards numbering upto eighteen (18) will be given each year, once in each of the identified category of highly polluting industries. These industries have been identified as follows :—

- (1) Sugar.
- (2) Fertiliser.
- (3) Cement.
- (4) Fermentation and Distillery
- (5) Aluminium.
- (6) Petro-chemicals.
- (7) Thermal Power
- (8) Caustic Soda.
- (9) Oil Refinery.
- (10) Sulphuric Acid.
- (11) Tanneries.
- (12) Copper Smelting.
- (13) Zinc Smelting.
- (14) Iron and Steel.
- (15) Pulp and Paper.
- (16) Dye and Dye Intermediates.
- (17) Pesticides.
- (18) Pharmaceuticals.

5. Awards numbering upto five (5) will be given each year to small scale industries in the following categories :—

1. Tanneries.
2. Pulp and Paper.
3. Dye and Dye Intermediates.
4. Pesticides.
5. Pharmaceuticals.

6. The awards will be given only if meritorious nominations are available.

7. The units must have introduced an environmental protection system comprising a policy defined for the units as a whole, an environmental programme for the site concerned and a management system defining the organisational measures and working procedures required to implement and supervise the programme. The management system should include an environmental audit programme. After each audit, an environment statement intended for the public has to be prepared, presenting an objective report on the problems brought to light during the environmental review, figures on the units' performance, summary of the policy, programmes and objectives pursued at the site and information on the intentions and steps taken to achieve these objectives. The information is to be made a part of the Report of the Board of Directors in the Annual Statement of Accounts of the unit.

8. The eligibility for the awards shall be based on the following considerations :—

- (i) Success in defining environmental pollution needs, meeting pollution prevention goals, and overall improvements to the quality of air, water and land,
- (ii) Soundness of approach, scientific design, and cost effectiveness.
- (iii) Abatement, including reduction, reuse, recycling or any beneficial use of waste generated,
- (iv) Substantial and steady reduction in the effluents and emissions in the year,
- (v) Reduction of risk to the community living in the vicinity of units handling hazardous chemicals,
- (vi) Any other identifiable specific and significant contribution towards the manufacture of environmentally friendly products and development and use of environmentally sound technologies,
- (vii) Substantial and continuing steps for environmental improvement and,
- (viii) Any other identifiable specific and significant contribution towards the manufacture of environmentally friendly products and development and use of environmentally sound technologies and aspects such as voluntary afforestation and even pioneering work in research towards environmental friendly technology and maximum amount of recycling possible in that category of industries. These steps will include substantial and continuing steps for environmental improvement and any other item which would be indicative of the corporate philosophy of the company towards positive environmental management.

9. The significance of the contribution both in qualitative and quantitative terms, as well as measurable impact on the environment will be the major criteria for selection. The quantitative factors are primarily aimed at measuring the reduction in emissions and effluents per unit of output. The qualitative factors will assess the efforts initiated by the management to make abatement of pollution an essential ingredient of the manufacturing process and thereby ensure environmental improvement on a continuing basis. An industrial unit which is not meeting the standards prescribed will not be eligible for the award.

10. The Selection Committee shall review the nominations for the awards received from the sponsoring authorities, which shall be the Pollution Control Board of the State where the unit is located.

11. The awards will be given for performance during the financial year. The sponsoring authorities shall forward their nominations to the officer in charge Pollution Control in the Ministry of Environment and Forests on a date to be published every year.

12. A Selection Committee consisting of the following persons will make recommendations for the awards to the Government :—

- (1) Secretary, Ministry of Environment and Forests—Chairman.

- (ii) Chairman, Central Pollution Control Board.
- (iii) Director General, Technical Development.
- (iv) Chairman, Standing Conference of Public Enterprises.
- (v) Director General, Indian Standards Institution.
- (vi) Director, National Environmental Engineering Research Institute.
- (vii) President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry;
- (viii) President, Associated Chamber of Commerce of Industry;
- (ix) President, Confederation of Indian Industry;
- (x) Development Commissioner, Small Scale Industries ;
- (xi) Officer in charge of Pollution Control in the Ministry of Environment and Forests.

13. Winners of the awards have the privilege of issuing to their employees-lapel pins, ties or other distinctive badges with the symbol ENV in a circle embossed on such material. The winners of awards shall also have the option to use this symbol in their letter heads or any advertisement issued by them. The year of the awards shall invariably be mentioned in all such cases.

14. The awards will be given at a formal ceremony every year.

15. This Resolution is in supersession of the one published under GSR 774(E) dated 10. September, 1990.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India and a copy thereof communicated to all concerned.

[No. Q-16016/52/90-CPA]

MUKUL SANWAL, Jt Secy.